✓

4

डा. आडवाणी का ब्रैस्ट कैंसर पर लेक्चर कल

लुधियाना : ब्रैस्ट कैंसर की रोकथाम के लिए दयानंद मेडिकल कालेज का हेल्थ एजुकेशन सेल कृष्णा ब्रैस्ट कैंयर चेरीटेबल ट्रस्ट के सहयोग से रविवार को दयानंद अस्पताल के डुमरा ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित होगा।

'ब्रैस्ट कैंसर-डिटेक्शन एंड प्रीवेंशन' के नाम से होने वाले कार्यक्रम में मुंबई स्थित जसलोक अस्पताल की एशियन इंस्टीट्यूट आफ ओंकोलोजी के हेड पद्मश्री डा. एसएच आडवाणी उक्त मुद्दे पर लेक्चर देंगे। इस बारे में डीएमसीएच के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट राजू सिंह छीना ने बताया कि डा. आडवाणी के डीएमसीएच आने से इस पूरे रीजन के ब्रैस्ट कैंसर के मरीजों को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि डा. आडवाणी शनिवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े चार बजे तक अस्पताल में मौजूद रहेंगे। डीएमसीएच की ऑंकोलाजी यूनिट के हेड डा. जेएस सेखों ने बताया कि भारत में उक्त बीमारी के हर साल करीब 80 हजार केस सामने आते हैं। इनमें से करीब 35 हजार महिलाएं गलत सलाह अथवा उचित देखभाल न मिल पाने के कारण अपनी जान गंवा देती हैं।

DAINIK JAGRAN
7/5/05

Expert blames breast cancer on modern life-style

EXPRESS NEWS SERVICE
LUDHIANA, MAY 8

THE incidence of breast cancer is destined to experience an upsurge as we progress more towards a stronger economy. We can soon give a stiff competition to the frequency of breast cancer cases in the US, if the pace of urbanisation and present life-style continues.

Renowned Indian oncologist and consultant and head of Asian Institute of Oncology, Mumbai, Dr S.H. Advani said this while talking to reporters here today. Dr Advani, who was in the city to lecture on awareness and early detection of breast cancer at the 42nd Public Health Lecture at DMCH, said while in the US, 90 per cent cases of breast cancer are detected at the first and second stage, in India, 80 per cent of these incidents are detected in the third or fourth stage. Blaming the high incidence of breast cancer on the sluggish life-style, lack of exercise, delay in birth of the first child, shorter lactation period and high consumption of fat, he said while breast cancer is common in urban community, cervix or uterine cancer is common in rural community.

Advani with doctors after the lecture. *Ravi Kanojia*

Health lecture on breast cancer

EXPRESS NEWS SERVICE
LUDHIANA, MAY 8

THE Health Education Cell of Dayanand Medical COllege and Hospital (DMCH) held the 42nd Public Health Lecture on 'Breast Cancer - Detection and Prevention, to create awareness among the masses, here today.

Dr S.H. Advani, head, Asian Institute of Oncology, Mumbai, was the key resource person.

In his lecture, he presented a slide show on brest cancer listing its causes and ways of prevention, imparting simple tips on how to avoid it.

Dr Advani, the man who pioneered bone marrow transplantation for leukemia in India, said that even in a city like Ludhiana, the incidence of breast cancer is high because of the unhealthy lifestyle.

Medical superintendent Dr Rajoo Singh Chhina gave the inaugural address while SSP Narinder Pal Singh lit the lamp.

High incidence

Having no child or having first child after age 30
Shorter duration of breast-feeding
Lack of exercise
High fat diet —junk food

How to prevent it

By self-examining the breast while lying down, while taking bath and while dressing. The best time for self examination is about a week after the periods, when your breasts are not tender and swollen. Even if a slight change is noticed, contact your doctor and go in for mammography

INDIAN EXPRESS 9/5/05

डी.एम.सी.एच. में स्तन कैंसर पर कार्यक्रम

शहरी महिलाओं में स्तन कैंसर तीव्र गति से बढ़ रहा है : डा. अडवानी

लुधियाना, 9 मई (संजीव मेहता): आने वाले वर्षों में महिलाओं में स्तन कैंसर की बीमारी अन्य सभी प्रकार के कैंसरों से अधिक होगी। चूंकि भारतीय शहरी महिलाएं अधिक आयु में विवाह करती हैं, इसलिए उनमें स्तन कैंसर तीव्र गति से बढ़ रहा है।

उक्त विचार प्रकट किये मुम्बई स्थित जसलोक अस्पताल के मैडीकल ऑनकालॉजी विभाग के प्रमुख और एशियन इंस्टीच्यूट आफ ऑनकालॉजी, मुम्बई के प्रमुख पद्मश्री डा. एस.एच. अडवानी ने जो गत रात्रि दयानंद मैडीकल कालेज एवं अस्पताल के स्वास्थ्य शिक्षा सैल द्वारा आयोजित 42वें पब्लिक हैल्थ लैक्चर के दौरान 'महिलाओं में स्तन कैंसर' विषय पर मुख्य रूप से संबोधित कर रहे थे। डुमरा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. अडवानी ने आगे कहा कि अमरीका जैसे विकसित देश में प्रति दस महिलाओं के पीछे एक महिला अपने जीवनकाल में स्तन कैंसर से पीड़ित होती है और भारत में यह स्थिति 30 के पीछे एक है। उन्होंने बताया कि भारत में मुम्बई

* अधिक आयु में शादी मुख्य कारण

और दिल्ली जैसे मैट्रोज में महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि इस रोग से बचने का एक ही उपाय है कि प्रकृति के साथ समझौता किया जाये। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सही आयु में विवाह करके 25 वर्ष तक की आयु तक मां बन जाना चाहिए, हरी सब्जियों का खूब सेवन करना चाहिए, अधिक और नियमित व्यायाम करना चाहिए और अधिक बसायुक्त भोजन से परहेज करना चाहिए।

डी.एम.सी.एच. के ऑनकालॉजिस्ट डा. जे.एस. सेखों ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को स्तन कैंसर के प्रति जागरूक होना चाहिए। महिलाओं को 40 वर्ष की आयु के बाद नियमित रूप से मैमोग्राफी (स्तनों का एक्स-रे) करवानी चाहिए और समय-समय पर स्तनों को दबाकर देखना चाहिए कि कहीं कोई गांठ तो नहीं। अगर है, तो तुरन्त चिकित्सक से सम्पर्क करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अब तो दवा बाज़ार में स्तन कैंसर निवारण के लिए विश्व स्तरीय आधुनिक उपचार उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों को कहा कि उन्हें कैमोथैरेपी के गलत प्रभावों से घबराना नहीं चाहिए, जैसा कि वे गलत जानते हैं। उन्होंने कहा कि अब तो स्तन कैंसर में ऐसी सर्जरी आ चुकी है, जिसमें प्रभावित स्तन को पूरा नहीं हटाया जाता, बल्कि स्तन के प्रभावित हिस्से के टिशु को ही हटाया जाता है।

उन्होंने कहा कि अगर कैंसर के बारे में प्रथम अवस्था में पता चल जाये तो सफल उपचार संभव है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो महिलाएं अपने नवजात शिशुओं को स्तनपान नहीं करवातीं, वे भी इस रोग का शिकार हो सकती हैं। शहरी महिलाएं अधिक व्यस्त होने के कारण अपने मोटापे पर नियंत्रण नहीं रख पातीं और बसायुक्त भोजन का नियमित प्रयोग करती हैं। यही कारण है कि शहरी महिलाओं में ग्रामीण महिलाओं के मुकाबले स्तन कैंसर अधिक होता है। इस मौके पर डी.एम.सी.एच. के प्रिंसीपल डा. दलजीत सिंह, ज़िला पुलिस प्रमुख नरेंद्र पाल सिंह, उप प्रिंसीपल डा. जे. विग, श्रीमती नोमिता खन्ना, मैडिकल सुप्रीटैंडैंट राजू सिंह छीना, डा. संदीप पुरी विशेष रूप से उपस्थित थे। इसी बीच डा. अडवानी ने अपने भ्रमण के दौरान अस्पताल की ओ.पी.डी. में स्तन कैंसर पीड़ित महिलाओं की जांच भी की।

दयानंद मैडीकल कालेज व अस्पताल लुधियाना के हैल्थ एजुकेशन सैल की ओर से छाती कैंसर विषय पर करवाई गई गोष्ठी में पद्मश्री डा. एस.एच. अडवानी संबोधित करते हुए। (छाया : अजीत)

A SEET 10/5/05

2

लेक्चर समय पर शादी और आवश्यकतानुसार स्तनपान से कम हो सकता है खतरा

जांच कराएं, ब्रेस्ट कैंसर से बचें

लुधियाना। 'ब्रेस्ट कैंसर' के शिकार महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और आने वाले सालों में इसमें और बढ़ोतरी होगी। शहरीकरण और कैरियर बनाने की होड़ में शादी की औसत उम्र बढ़ने से यह बीमारी और बढ़ी है। ऐसे में इसके प्रति महिलाओं में पूरी तरह जागरूकता तो जरूरी है ही, साथ ही यह भी जरूरी है कि 40 साल की उम्र पार करते ही नियमित जांच कराई जाए। यह कहना है एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कालॉजी और जसलोक अस्पताल मुंबई के सीनियर सलाहकार पद्मश्री डा.एसएच आडवाणी का। वह दयानंद मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) की ओर से आयोजित पब्लिक हेल्थ लेक्चर प्रोग्राम को संबोधित कर रहे थे। लेक्चर का आयोजन कृष्णा ब्रेस्ट केयर चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से किया गया।

जागरूकता जरूरी

- आने वाले सालों में बढ़ सकते हैं 'ब्रेस्ट कैंसर' के मामले
- ब्रेस्ट में किसी तरह की गिल्टी को गंभीरता से लें महिलाएं

उन्होंने बताया कि देरी से शादी होने से 'हार्मोनल डिस्टर्बेंस' होती है, जो अकसर ब्रेस्ट में कैंसर पनपने का कारण बनता है। कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों को आवश्यकता अनुसार स्तनपान नहीं करवा पातीं, जिससे गिल्टी होने की संभावना बढ़ जाती है। 'समय पर शादी और बच्चों को पूरे समय तक स्तनपान कराने से इस कैंसर का खतरा कम हो जाता है। फिर भी महिलाओं को अपनी ब्रेस्ट में किसी तरह की गिल्टी को गंभीरता से लें और इसकी जांच नियमित तौर पर कराएं। डा.आडवाणी ने लोगों से 'कीमोथेरपी' के साइड इफेक्ट का डर मन से निकाल देने को कहा। इसके सभी साइड इफेक्ट्स बाद में अपने-आप दूर हो जाते हैं। लेक्चर की शुरुआत डा.दलजीत सिंह के स्वागत भाषण से हुई। एसएसपी नरिंदर पाल सिंह, डीएमसीएच के वाइस प्रिंसिपल डा.जे. विग, नोमिता खन्ना, डा.राजू सिंह छीना और डीएमसीएच के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.संदीप पुरी भी इस मौके पर मौजूद थे।

AMAR UJALA 10/5/05

देर से शादी करना भी ब्रैस्ट कैंसर का मुख्य कारण: डा. अडवानी

लुधियाना, 9 मई (जोशी, सहगल) : जीवन शैली में बदलाव तथा खान-पान की गलत आदतों के कारण महिलाओं में स्तन कैंसर की बीमारी शीघ्रता से फैलती जा रही है तथा आगामी वर्षों में इसके और तेजी से फैलने के आसार हैं।

उक्त विचार जसलोक अस्पताल के मैडीकल ऑनकोलोजी विभाग के प्रमुख पद्मश्री डा. एम.एच. अडवानी ने स्थानीय दयानंद मैडीकल कालेज के डुमरा आडीटोरियम में स्तन कैंसर का जल्दी पता लगाने बारे आयोजित लैक्चर के दौरान व्यक्त किए।

उल्लेखनीय है कि दयानंद मैडीकल कालेज के स्वास्थ्य शिक्षा विभाग एवं कृष्णा ब्रैस्ट केयर चैरीटेबल ट्रस्ट द्वारा श्रीमती कृष्ण अरोड़ा की स्मृति में उक्त लैक्चर का आयोजन किया गया था। अस्पताल के गवर्निंग बोर्ड के सदस्य प्राण अरोड़ा की पत्नी श्रीमती कृष्णा अरोड़ा की स्तन कैंसर की पर्याप्त जानकारी के अभाव में मृत्यु हो गई थी जिसके दृष्टिगत लोगों को स्तन कैंसर सम्बन्धी जागरूक करने के उद्देश्य से इस लैक्चर का आयोजन किया गया।

लैक्चर की शुरूआत प्रिंसीपल डा. दलजीत सिंह द्वारा स्वागती सम्बोधन से हुई। इसके उपरांत नरिन्द्र पाल सिंह एस.एस.पी. लुधियाना ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डा. जे. विग, वाइस प्रिंसीपल डी.एम. सी.एच. ने प्रमुख वक्ता डा. एच.एच. अडवानी का लोगों से परिचय करवाया।

आने वाले दिनों में महिलाओं में स्तन कैंसर के मामले पहले से भी अधिक बढ़ सकते हैं, जिसका मुख्य कारण शहरों में महिलाओं में अपना कैरियर बनाने के प्रति बढ़ रहा रुझान है, जिसके चलते वह अधिक आयु में शादी रचाती हैं। यह चेतावनी पदम्श्री व धनवंतरि पुरस्कार से सम्मानित हो चुके डा. एच.एस. अडवानी ने अपने संबोधन में दी। डा. अडवानी दयानंद अस्पताल द्वारा आयोजित 42वें पब्लिक हैल्थ लैक्चर में ब्रैस्ट कैंसर के बारे में जानकारी दे रहे थे। उन्होंने बताया कि अमरीका जैसे प्रगतिशील देश में हर 10 महिलाओं में से एक स्तन कैंसर से पीड़ित पाई जाती है। जबकि भारत में यह आंकड़ा हर 30 महिलाओं के पीछे 1 है। वर्तमान में मुम्बई व दिल्ली जैसे महानगरों में ऐसे मामले पहले से

दयानंद अस्पताल में आयोजित सैमीनार को संबोधित करते हुए डा. एम.एल. अडवानी।.................................(छाया : वि.अ.)

स्तन कैंसर बारे जानकारी दी

कहीं बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि इससे बचने का एकमात्र रास्ता अपना लाइफ स्टाइल यानि रहन-सहन के ढंग को बदलना है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को खानपान में हरी सब्जियों का अधिक सेवन करना चाहिए। वसायुक्त व तले पदार्थ कम लेने चाहिए। शारीरिक व्यायाम के अलावा सही समय पर शादी करनी चाहिए। डा. अडवानी ने मुम्बई स्थित जसलोक अस्पताल तथा एशियन इंस्टीच्यूट आफ आनकालोजी के विभाग प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि उनके अनुभव में यह देखने में आया है कि जहां शहरों में स्तन कैंसर के मामले अधिक हैं, वहीं गांवों में गर्भाशय कैंसर के तथा भारतीय पुरुषों में सिगरेट व तम्बाकू की आदत के कारण मुंह व फेफड़ों का कैंसर अधिक होता है। उन्होंने कहा कि हर महिला को 40 वर्ष की आयु के बाद मैमोग्राफी (ब्रैस्ट एक्सरे) अवश्य करना चाहिए। चिकित्सा के अलावा समय समय पर स्वयं जांच भी करनी चाहिए। इस अवसर पर अस्पताल की मैनेजिंग सोसाइटी के सदस्यों के अलावा दयानंद अस्पताल के मैडीकल सुपरिंटैंडैंट डा. संदीप पुरी विशेष रूप से उपस्थित थे। अस्पताल के कैंसर विभाग के विशेषज्ञ डा. जे.एस. सेखों ने प्रश्न उत्तर सैशन का नेतृत्व किया।

Punjab Kesari 10/5/05

Change lifestyle to avoid breast cancer, says expert

KULDIP BHATIA

LUDHIANA, MAY 12

"In the coming years the incidence of breast cancer, which is the most common kind of cancer among women, will grow at a rapid pace in urban India due to increasing trend of women getting married at a late age. It is estimated that in developed countries like the USA, one out of every 10 women, suffers from breast cancer during her life time whereas in India the ratio was 1.30. Currently, Mumbai and Delhi metros are leading in the reported incidence of breast cancer."

These observations were made by Dr Suresh H. Advani, consultant and head, medical oncology, Jaslok Hospital and senior consultant at Asian Institute of Oncology, Mumbai while delivering a lecture on breast cancer at Dumra auditorium in Dayanand Medical College and Hospital here recently.

He said the only way women could prevent the disease was by maintaining a lifestyle in sync with nature. Just chewing lots of fresh greenies, taking less fat and lots of exercise, getting married at a right age, first child before 25 and maintaining natural lactation would help in reducing the risk.

The event was organised by the Health Education Cell of the DMCH along with Krishna Breast Care Charitable Trust in memory of late Ms Krishna Arora. During his visit to the institution, Dr Advani also provided his consultation to the cancer patients in the OPD of Hero DMC Heart Institute.

While focussing on creating awareness among women about the early detection, of breast cancer, Dr Advani, a padma shree awardee, said that every woman should go for periodic mammography (X-ray of breast) after the age of 40 years and should consult a doctor on detecting a lump in breast during regular self-breast examinations.

Focusing on the new treatment modalities for breast cancer, he revealed that new improved drugs were available in the market, which unlike the traditional medicines, did not affect the whole body but acted on the cancerous tissue only. He emphasised that people should not fear the side-effects of chemotherapy, as these were reversible. In cases needing surgical intervention, instead of removing the whole breast, only the tissue from the affected areas was now removed.

"Cancer is curable if detected earlier. It is a life style disease and the major risk factor is late marriage and having kids at a late age, which cause hormonal disturbances in the body and cancerous growth in breast. Mothers, who are working do not breast feed their children and do not maintain the right lactation period, which aggravates the problems. Urban women because of their busy life style are not in the habit of keeping a check on obesity and consume fatty diet." He revealed that in trials conducted in cities and villages, it had been found that in comparison to urban women, the incidence of breast cancer was quite low in rural women.

The lecture started with the welcome address by Dr Daljit Singh, Principal. Mr Narinder Pal Singh, SSP, Ludhiana, inaugurated the event by lighting the lamp. Dr J. Whig, Vice-Principal, introduced the distinguished speaker to the audience.

TRIBUNE 13/5/05

6

डा.आडवाणी आज डीएमसीएच आएंगे

लुधियाना। कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी पर काबू पाने के लिए तमाम खोज कर कई उपलब्धियां हासिल करने वाले डा.सुरेश एच आडवाणी सात मई को डीएमसीएच में आएंगे। अस्पताल प्रवक्ता के अनुसार मुंबई के जसलोक अस्पताल व रिसर्च सेंटर में एनकोलॉजी विभाग के प्रमुख डा.आडवाणी कल डीएमसीएच में मरीजों की जांच करेंगे। आठ मई को डीएमसीएच के डुमरा हॉल में शाम छह बजे डा.आडवाणी ब्रेस्ट कैंसर विषय पर हेल्थ लेक्चर में महत्वपूर्ण जानकारी देंगे। यह लेक्चर डीएमसीएच की हेल्थ एजुकेशन सेल द्वारा कृष्णा ब्रेस्ट केयर चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से किया जाएगा। मुंबई यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस सहित कई डिग्रियां हासिल करने वाले डा.आडवाणी ने अपंग होने के बावजूद हिम्मत न हारते हुए कैंसर जैसे जानलेवा रोग से लोगों को मुक्त कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण खोज कार्य किए।

AMAR UJALA 7/5/05

संपन्नता से बढ़े हैं 'ब्रेस्ट कैंसर' के मामले

'लाइफस्टाइल डिज़ीज' है यह, शहरी इलाकों में मिले हैं ज्यादा मरीज : डा.आडवाणी

अमर उजाला प्रतिनिधि

लुधियाना। 'ब्रेस्ट कैंसर' 'लाइफस्टाइल डिजीज' है। जैसे-जैसे संपन्नता बढ़ती है, इस बीमारी के होने के आसार भी बढ़ते जाते हैं। यही वजह है कि शहरों में ब्रेस्ट कैंसर के मामले अधिक हैं। यह कहना है पद्मश्री और धन्वंतरि अवार्ड से सम्मानित वरिष्ठ सर्जन डा.एसएच आडवाणी का, जो जसलोक अस्पताल एवं एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑनकालॉजी मुंबई के सीनियर सलाहकार भी हैं। डा.आडवाणी दयानंद मेडिकल कालेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) में आयोजित सीएमई में लेक्चर देने के लिए रविवार को लुधियाना आए।

'अमर उजाला' से बातचीत में उन्होंने कहा कि पहले 'ब्रेस्ट कैंसर' की 'रेडीकल्स सर्जरी' की जाती थी, जिसके लिए पूरे स्तन को ही निकालना पड़ता था। अब आधुनिक 'कंजरवेटिव सर्जरी' के जरिए सिर्फ उतनी ही जगह का इलाज किया जाता है, जितनी जगह में कैंसर फैला हो। इसमें स्तन निकालने की आवश्यकता नहीं रहती। वह मानते हैं कि महिलाओं में जागरूकता के चलते 'ब्रेस्ट कैंसर' पर काबू पाना अब काफी हद तक संभव हुआ है। बीमारी का आरंभ में ही पता चल जाने पर इलाज काफी आसान हो जाता है। उन्होंने कहा कि आजकल पढ़ाई करते हुए ही लड़कियों की उम्र अधिक हो जाती है। उसके बाद कैरियर बनाने के लिए देरी से शादी और फिर अधिक उम्र में बच्चे होने से स्तनपान का समय कम हो रहा है, जो ब्रेस्ट कैंसर का एक बड़ा कारण है। उन्होंने बताया कि शहरी इलाकों में ब्रेस्ट कैंसर की समस्या अधिक है, जबकि देहात में गर्भाशय का कैंसर अधिक होता है।

खास बातचीत

- आधुनिक सर्जरी में स्तन निकालने की जरूरत नहीं
- देहात में गर्भाशय का कैंसर अधिक होता है
- पुरुषों में गले, फेफड़े का कैंसर अधिक

अमेरिका में हर नौ के पीछे एक महिला, जबकि भारत में हर 30 के पीछे एक महिला 'ब्रेस्ट कैंसर' की शिकार है। भारतीय पुरुषों में सिगरेट और तंबाकू की आदत के चलते गले और फेफड़े का कैंसर अधिक होता है। डा.आडवाणी ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों पर संतुष्टि जताई, लेकिन छोटे शहरों में कैंसर का इलाज नहीं होने पर चिंता प्रकट की। उन्होंने कहा कि देश के हर मेडिकल कॉलेज में विशेष कैंसर यूनिट स्थापित किया जाना चाहिए।

AMAR UJALA 9/5/05

5

Awareness camp on breast cancer

HT LIVE Correspondent
Ludhiana, May 6

TO CREATE awareness among the masses about prevention of breast cancer, Health Education Cell of Dayanand Medical College and Hospital along with Krishna Breast Care Charitable Trust will be holding 42nd Public Health Lecture on May 8 in Dumra Auditorium on, 'Breast Cancer — Detection and Prevention', in the memory of Krishna Arora. The lecture will be delivered by renowned oncologist Dr S.H. Advani, who is Consultant and Head, Medical Oncology, Jaslok Hospital, Senior Consultant and Head, Asian Institute of Oncology, Mumbai.

Giving this information, hospital spokesperson said people from all walks of life can attend this lecture.

Dr Rajoo Singh Chhina, Medical Superintendent and Convenor, Health Education Cell, said Dr Advani's visit to DMCH is a rare opportunity for cancer patients from all over the region as he would be available for consultation on Friday at DMCH. Dr J.S. Sekhon, Associate Professor and Head, Oncology Unit, DMCH, said the incidences of cancer are shooting up.

H.T
7/5/05

3

DMC to hold lecture on breast cancer tomorrow

EXPRESS NEWS SERVICE
LUDHIANA, MAY 6

DAYANAND MEDICAL College and Hospital (DMCH) is going to hold the 42nd Public Health Lecture on May 8 on Breast Cancer - Detection and Prevention - with a view to creating awareness among the masses about the prevention of breast cancer.

Renowned oncologist Dr S.H. Advani, consultant and head of the Medical Oncology, Jaslok Hospital and Research Hospital, senior consultant and head, Asian Institute of Oncology, Mumbai.

The Health Education Cell of DMCH is holding the lecture with Krishna Breast Care Charitable Trust. During his lecture, Dr Advani will throw light on the cases, symptoms, detection and treatment, methodologies of breast cancer which would be followed by an interactive session.

Dr Rajoo Chhina said Dr Advani's visit is a rare opportunity for the cancer patients. Dr Advani would be available for consultation at DMCH on May 7.

Those willing to consult him can get registered in the office of Chief Officer on Special Duty, Dayanand Medical College and Hospital.

INDIAN EXPRESS 7/5/05

2

Lecture on breast cancer at DMCH

OUR CORRESPONDENT

LUDHIANA, MAY 6

To create awareness among the masses about the prevention of breast cancer, the Health Education Cell of the Dayanand Medical College and Hospital (DMCH), along with the Krishna Breast Care Charitable Trust, will organise the 42nd public health lecture on 'breast cancer—detection and prevention' in the Dumra Auditorium on May 8.

The lecture will be delivered by the renowned oncologist of the country, Dr Suresh H. Advani, consultant and head, medical oncology, Jaslok Hospital.

Dr Rajoo Singh Chhina, Medical Superintendent and convener, Health Education Cell, the DMCH, informed that cancer patients from the region would benefit from Dr Advani's expert advice as he would be available for consultation on May 7 at the DMCH. Those desirous to avail of his consultation could get themselves registered in the office of Chief Officer on Special Duty in the hospital at phone No. 0161-24304232 or 2304242, Ext-715 between 8.30 am and 4.30 pm.

A Padma Shree awardee, Dr Advani has been honoured with several prestigious awards, including 31st Dhanwantri Award-India's greatest recognition in the field of medicine.

He is the man who pioneered bone marrow transplant for leukemia in India. Confined to wheel chair since the age of eight due to a polio attack, this devoted doctor was a living example of victory of human excellence over limitation.

TRIBUNE 7/5/05

1 ✓

पब्लिक हैल्थ लैक्चर का आयोजन कल

लुधियाना, 6 मई (जोशी) : स्थानीय दयानंद मैडीकल कालेज के स्वास्थ्य शिक्षा विभाग द्वारा लोगों में स्तन कैंसर से बचाव सम्बन्धी जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से कृष्णा ब्रेस्ट केयर चैरीटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 8 मई को सायं 6 बजे अस्पताल के डुमरा आडीटोरियम में 42वें पब्लिक हैल्थ लैक्चर का आयोजन किया जा रहा है।

स्व. श्रीमती कृष्णा अरोड़ा की स्मृति में आयोजित होने वाले इस लैक्चर का विषय 'स्तन कैंसर-बचाव एवं उपचार' है। उक्त लैक्चर के दौरान भारत के जाने-माने ओनकोलोजिस्ट, पद्मश्री डा. एस.एच. अडवानी, कन्सल्टैंट एवं प्रमुख, मैडीकल ओनकोलोजी, जसलोक अस्पताल व सीनियर कन्सल्टैंट एवं प्रमुख एशियन इंस्टीच्यूट आफ ओनकोलोजी मुम्बई प्रमुख वक्ता होंगे।

उल्लेखनीय है कि दयानंद मैडीकल कालेज व अस्पताल के गवर्निंग बोर्ड के सदस्य प्राण अरोड़ा की पत्नी श्रीमती कृष्णा अरोड़ा जोकि स्तन कैंसर से पीड़ित थीं, की स्मृति में कृष्णा ब्रेस्ट केयर चैरीटेबल ट्रस्ट की स्थापना की गई है।

श्री प्राण अरोड़ा के अनुसार स्तन कैंसर सम्बन्धी जागरूकता के अभाव के कारण इनकी पत्नी की असमय मृत्यु ने ही उन्हें यह महत्वपूर्ण संदेश दिया है कि लोगों में स्तन कैंसर के उपचार एवं इससे बचाव सम्बन्धी जागरूकता पैदा की जाए। डी.एम.सी. के स्वास्थ्य शिक्षा विभाग के मैडीकल सुपरिंटैंडैंट एवं कन्वीनर डा. राजू सिंह छीना ने बताया कि डी.एम.सी. में डा. अडवानी का दौरा क्षेत्र के कैंसर रोगियों हेतु एक महत्वपूर्ण मौका है। उन्होंने बताया कि डा. अडवानी 7 मई को डी.एम.सी. में कन्सल्टैंशन हेतु उपलब्ध रहेंगे तथा इच्छुक रोगी चीफ आफिसर (विशेष ड्यूटी) के कार्यालय में अपना नाम रजिस्टर करवा सकते हैं।

PUNJAB KEASARI
7/5/05

ਛਾਤੀ ਦੇ ਕੈਂਸਰ 'ਤੇ ਭਾਸ਼ਣ ਅੱਜ

ਲੁਧਿਆਣਾ, 7 ਮਈ (ਵਿ. ਪ੍ਰ.)- ਦਿਆਨੰਦ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਅਤੇ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਸਿਹਤ ਸਿੱਖਿਆ ਸੈੱਲ ਵਲੋਂ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਚੈਰੀਟੇਬਲ ਟਰੱਸਟ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ 8 ਮਈ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮ 6 ਵਜੇ ਡੁਮਰਾ ਆਡੀਟੋਰੀਅਮ ਵਿਖੇ 42ਵਾਂ ਪਬਲਿਕ ਹੈਲਥ ਲੈਕਚਰ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਵਰਗੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਅਰੋੜਾ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿਚ ਕਰਵਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਇਸ ਭਾਸ਼ਣ ਦਾ ਮੁੱਖ ਵਿਸ਼ਾ 'ਛਾਤੀ ਕੈਂਸਰ-ਕਾਰਣ ਅਤੇ ਨਿਵਾਰਣ' ਹੋਵੇਗਾ। ਸਿਹਤ ਸਿੱਖਿਆ ਸੈੱਲ ਦੇ ਕਨਵੀਨਰ ਡਾ: ਰਾਜੂ ਸਿੰਘ ਛੀਨਾ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਭਾਸ਼ਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਵੀ ਵਿਅਕਤੀ ਹਿੱਸਾ ਲੈ ਸਕਦਾ ਹੈ।

Ajit
8/5/05

'Career-conscious women more prone to breast cancer'

HT LIVE Correspondent
Ludhiana, May 8

CAREER-CONSCIOUS WOMEN, who plan their families late and then lactate babies for a short span are increasingly falling prey to breast cancer, which has become the second most common type of cancer.

Consultant and Head Medical Oncology, Jaslok Hospital, and Senior Consultant and Head, Asian Institute of Oncology, Mumbai, Dr S.H. Advani, expressed these views while interacting with mediapersons here today.

He was in the city to deliver 42nd Public Health Lecture on 'Awareness and early detection of breast cancer' organised by Dayanand Medical College and Hospital along with Krishna Breast Care Charitable Trust.

"Breast cancer is a lifestyle disease closely linked with growing affluence in the society. Just to mention, while one out of every nine women in USA are suffering from breast cancer, the prevalence rate in India is one out of every 30," said Dr Advani, who has pioneered the bone marrow transplant for leukaemia in India.

Giving other reasons for increasing breast cancer cases in urban India as compared to villages, he said their high fat diets and lack of exercise is another leading cause.

"The growing culture of taking fast food for lunch or dinner and becoming couch potato are also to be blamed," said Dr Advani.

Asked about the recent biggest breakthrough in treatment of the disease, he said it undoubtedly was growing awareness due to which early detection had become possible and also change of attitude towards conservative instead of radical surgery. "The breast cancer is now cured by a team which includes surgeons, radiologists and oncologists, who focus not only on curing but conserving too," he said.

Dr Advani added that the target therapy, which is now in use, has also brought in a sea change in the breast cancer treatment, as the normal cells are no longer disturbed.

About the steps being taken by the government to prevent cancer, he said that Centre had pumped in a lot of money to spread the awareness about the disease and generate technology for the cure and prevention.

"However, we are falling short of the hospitals for cancer treatment. Although big cities have specialists, towns and smaller cities don't have the expertise.

The need of the hour is to establish a cancer unit in every medical college," he added.

HT 9/5/05